permit of coal stacks being built according to the terms of the contract. These allegations on enquiry could not be fully substantiated.

राज्यों में कृषि संस्थायें

७२६. श्री क० भे० मालवीय : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार प्रत्येक राज्य में एक कृषि संस्था खोलने की किसी योजना पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है ?

कृषि मन्त्री (डा० पं० शा० देशमुख) : (क) और (ख). प्रत्येक राज्य में एक कृषि संस्था खोलने की कोई भी योजना भारत सरकार के विचाराधीन नहीं है। परन्तु राज्यों में चालू कृषि अनुसन्धान संस्थाओं को शक्तिशाली बनाने के लिये और/या नयी संस्थायें खोलने के लिए एक परियोजना दूसरी पंचवर्षीय योजना में शामिल कर दी गई है और तीसरी पंचवर्षीय योजना में यह चालू रखी जा रही है। इस उक्त परियोजना में, ऐसे राज्यों में जहां अभी कोई ऐसी संस्था नहीं है, नई अनुसन्धान संस्थायें खोलने, और/या जहां जरूरी समझा जायगा वहां पर वर्तमान संस्थाओं को शक्तिशाली बनाने की योजना है। अपनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना के अधीन राज्य सरकारें स्वयं योजनायें तैयार करती हैं। भारत सरकार एक स्वीकृत आधार के अनुसार केन्द्रीय सहायता प्रदान करती है।

बैठने या सोने की जगह रिजर्व कराना

७२७. श्री क० भे० मालवीय : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या यह सच है कि उन स्टेशनों से जहां से वापसी टिकट खरीदे जाते हैं वापसी यात्रा के लिय बैठने अथवा सोने का स्थान रक्षित नहीं किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा कोई कार्यवाही की जायगी; और

(ग) यदि हां, तो यह कब तक किया जायग ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) (क) जी नहीं। वर्तमान आदेश के अनुसार वापसी यात्रा के लिए पहले और वातानुकूल दर्जे में आरक्षण की व्यवस्था की जाती है। इसके लिए एक ओर की यात्रा के दुगने किराय के अतिरिक्त जिन स्टशनों से ये टिकट खरीदे जाते हैं वहां से तार देने के लिए २ रुपये लिये जाते हैं।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता।

इन्दौर में सोने की जगह रिजर्व कराना

७२८. श्री क० भे० मालवीय : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या यह सच है कि इन्दौर स्टेशन से दिल्ली और बम्बई जाने के लिय प्राय: सोने की जगह का रिजर्वेशन नहीं मिल पाता है;

(ख) जून मास में कितने लोगों को उक्त दोनों स्थानों को जाने के लिय रिजर्वेशन नहीं मिला;

(ग) क्या सरकार इस स्टेशन के लिये कोई रिजर्वेशन कोटा निर्धारित करेगी; और

(घ) यदि हां, तो कब तक ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी नहीं।

(ख) फ्रंटियर मेल से बम्बई के लिए पहले दर्जे के १६२ यात्रियों में से ९ और जनता एक्सप्रस के शयन-यान (Sleeper Coaches) में दिल्ली के लिए तीसरे दर्जे के ८२ यात्रियों में से २३ को छोड़कर इन्दौर

स्टेशन पर सभी गाड़ियों में दूसरे सभी यात्रियों की आरक्षण की मांग पूरी की गयी ।

(ग) और (घ). पहले दर्जे की शायिकाओं का कोटा पहले से नियत है । तीसरे दर्जे के शयनयान में इस स्टेशन का कोटा नियत करने के प्रश्न पर पश्चिम रेल-प्रशासन विचार कर रहा है ।

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के प्रकाशन

७२९. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनसन्धान परिषद् अपने प्रकाशन बेचती है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन प्रकाशनों को खरीदने के लिय पास बनवाने पड़ते हैं; और

(ग) यदि हां, तो लोगों को इस कठिनाई को दूर करने के लिय सरकार क्या पग उठायगी ?

कृषि मन्त्री (डा० पं० शा० देशमुख) : (क) जी हां ।

(ख) से (ग). परिषद् के प्रकाशन कुछ स्थानीय पुस्तक विक्रेताओं पर उपलब्ध हैं।

कृषि भवन नई दिल्ली में स्थित परिषद् के कार्यालय से प्रकाशनों के खरीदने के लिए ऐसा प्रबन्ध कर दिया गया है जहां पर किसी भी पास की आवश्यकता नहीं है ।

रेलवे सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन

७३०. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विभिन्न रेलों के सेवा आयोगों द्वारा अपने विज्ञापन केवल अंग्रजी में ही छपाये जाते हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या कुछ विज्ञापन हिन्दी में भी छपाय जाने की व्यवस्था की जायगी; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता ।

रेलवे के डिब्बों में सूचनायें

७३१. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ रेल डिब्बों में रेलवे की सूचनाय अंग्रजी व अन्य भारतीय भाषाओं में तो होती हैं किन्तु हिन्दी में नहीं होतीं;

(ख) यदि हां, तो इस प्रकार के डिब्बों में हिन्दी में भी कुछ सूचनाय लिखवाने का प्रबन्ध किया जायगा; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क), (ख) और (ग). इस सम्बन्ध में जो वर्तमान आदेश है, उसमें यह कहा गया है कि गाड़ी के डिब्बों में जो सूचनाएं लिखी जाती हैं, व सब हिन्दी में भी लिखी जायं । रेल प्रशासनों से कहा गया है कि व इस आदेश का कड़ाई से पालन करायें ।

दिल्ली के उपनगरीय स्टेशन

७३२. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के जो उपनगरीय स्टेशन हैं उन पर न तो मुसाफिरों के लिए कोई छाया की व्यवस्था है और न ही उचित प्लेटफार्म हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इस सम्बन्ध में कोई कदम जल्द ही उठाना चाहती है; और